





रांची फ्रंट पेज

आज का मौसम

रांची	27.4	12.4	सूर्योदय अंच
जमशेदपुर	31.0	13.0	05.47 pm
बोकारो	28.5	12.2	सूर्योदय कल
डाल्टनगंज	29.6	12.4	06.20 am

dainikbhaskar.com

दैनिक भास्कर, रांची

रविवार, 18 फरवरी, 2018

02

33वां नेशनल यूथ फेस्टिवल : कश्मीर यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स ने बताया कि कैसे कश्मीरी युवा बदल रहे हैं हमें तो टैलेंट के साथ परसेप्शन से भी लड़ना पड़ता है

श्रद्धा मिश्रा | रांची



कश्मीर यूनिवर्सिटी की टीम

कश्मीरियत में जज्बा ही तो है : महक अयाज

कलाकारी-संगीत कश्मीर की रूह में है : जैद भट

कश्मीरी युवाओं में देश के बाकी हिस्सों के युवाओं जैसा जज्बा है। कॅरिअर पर फोकस है। हमें ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। क्योंकि हमने दर्द को करीब से देखा है। हम उस दर्द और देश में कश्मीर को लेकर मौजूद गलत परसेप्शन, दोनों से लड़ते हुए अपना टैलेंट दिखाते हैं। आज हमारे यहां बेहतरीन टैपर्स हैं, कवि हैं, परफार्मिंग म्यूजिशियन हैं, ओपन माइक पोप्ट हैं। ख्वाजा मुसदिक, रुहान मदनवी, रेहान राशिद जैसे लेखक-कलाकार हैं। ओमायरा व बीनिश जैसी बहनें हैं जो आंत्रोपेव्योर हैं।

अभी कश्मीर के लड़के भी परंपरिक गीतों को संजो रहे हैं। हमारे यहां लड़कों की आवाज भी बेहद मीठी होती है। इसीलिए तो मुजाम बट और मो. मुनीम संगीत की दुनिया में छार छुए हैं। लोग कहते हैं कि कश्मीरी लड़के गलत कामों में शामिल हैं। जनाब, कश्मीर आकर देखिए इससे बेदमा और नेकदिल लड़के कहीं नहीं मिलेंगे। उन्हें सिर्फ अपने कॅरिअर की फिक्र है। मैं खुद कैरीकेचर्स बनाता हूँ। कलाकारी, संगीत और गीत तो कश्मीर की रूह में है। हम चाहते हैं कि और सुविधाएं मिलें।

रांची में 33वें नेशनल यूथ फेस्टिवल में कश्मीर यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स आए हैं। कश्मीरी स्टूडेंट्स ने बताया कि कैसे कश्मीर का यूथ बदल रहा है। उनका फोकस कॅरिअर है। वहां भी युवा वैसे ही हैं जैसे देश के बाकी हिस्सों में। लेकिन कश्मीरी युवाओं को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है क्योंकि उन्हें टैलेंट दिखाने के साथ लोगों में कश्मीर घाटी को लेकर मौजूद गलत परसेप्शन को भी बदलना पड़ता है।

कश्मीर में हमेशा आतंकी हमले नहीं होते। प्रदर्शन और प्रोटेस्ट भी नहीं। मीडिया और अन्य माध्यमों से कश्मीर की हमेशा निगेटिव ब्रांडिंग ही होती है। अब वहां फिल्मों की शूटिंग होती है। टूरिस्ट बढ़ रहे हैं। दैनिक भास्कर से विशेष बातचीत में कश्मीरी युवाओं की जुबानी, वर्तमान कश्मीर की कहानी...

नेशनल यूथ फेस्टिवल में कश्मीर से आए जैद भट, महक अयाज, अफीफा मखदूमि, शाफिया शफी, अली अब्बास व नीर लतीफ।

शाफिया बोली-मुश्किलों से लड़ना आदत : हमने आदत है मुश्किलों से लड़ने की। हम वैसे ही जीते हैं जैसे देश के बाकी हिस्सों के लोग। लड़कियों को भी पूरी आजादी है। हम यूनिवर्सिटी में आने वाले नए स्टूडेंट्स के साथ गेट-टुगेदर करते हैं। उन्हें बताते हैं कि कैसे आगे बढ़ें।

अफीफा बोली- घाटी में पतझड़ भी जनत : यहां सबसे बेहतरीन मौसम होता है पतझड़ का। सड़कों के किनारे चिलारों के पत्ते गिरे होते हैं। बर्फ से लदे पहाड़ जो वादी की खूबसूरती बढ़ा देते हैं। कश्मीर यूनिवर्सिटी में तो नजारा जगत सा होता है। स्टूडेंट्स नीट एग्जाम क्लियर कर रहे हैं।

HAPIVANSH TANA BHAGAT
INDOOR STADIUM



Ranchi, Jharkhand



रांची फ्रंट पेज

आज का मौसम

रांची	27.4	12.4	सुबह 7:30
जमशेदपुर	31.0	15.0	05:47 pm
कोचर	28.5	12.2	सुबह 7:30
झारखण्ड	29.6	12.4	06:20 am

dainikbhaskar.com

दैनिक भास्कर, रांची

रविवार, 18 फरवरी, 2018

92

33वां नेशनल यूथ फेस्टिवल : कश्मीर यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स ने बताया कि कैसे कश्मीरी युवा बदल रहे हैं हमें तो टैलेंट के साथ परसेप्शन से भी लड़ना पड़ता है

अमित मिश्रा | रांची



कश्मीर यूनिवर्सिटी की टीम

कश्मीरियत में जज्बा ही तो है : महक अयाज

कलाकारी-संगीत कश्मीर की रूह में है : जैद भट

कश्मीरी युवाओं में देश के बाकी हिस्सों के युवाओं जैसा जज्बा है। वॉरिअर का चोखल है। हमें ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। क्योंकि हमारे धर्म को कबीर से देखा है। हम उस धर्म और देश में कश्मीर को लेकर जोड़ना करना पारोखन, जोरों से लड़ने हुए अपना टैलेंट दिखाते हैं। आज हमारे यहां बेहतरीन टैलेंट हैं, कवि हैं, पत्रकार, म्यूजिशियन हैं, ओशन ग्राफिक डिजाइनर हैं। राबाला मुसिक, टाइन मन्त्री, देवना राबिब जैसे लेखक-कारणकार हैं। ओशनग व वॉलिव जैसी बहनें हैं जो अग्रदोखर हैं।

अभी कश्मीर के लड़के भी पारोखन जैसी को रूहें रहे हैं। हमारे यहां लड़कों की अयाज में बेहद मोटी होती है। इतिहास से जुड़ना बंद और भी मुझीम सौरीत की बुनियाद में खर हार है। लोग कहते हैं कि कश्मीरी लड़के अपना काम में लड़ना है। जज्बा, कश्मीर अयाज वॉरिअर इनसे बेना और बेबादिल लड़के कभी नहीं मिलेंगे। उन्हें सिर्फ अपने वॉरिअर की फिजक है। मैं खुद कैंट्रीकेचरल बनार हू। कश्मीरी सौरीत और गीत तो कश्मीर की रूह में है। हम चाहते हैं कि और बुनियाद मिले।

रांची में 33वां नेशनल यूथ फेस्टिवल में कश्मीर यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स आए हैं। कश्मीरी स्टूडेंट्स ने बताया कि कैसे कश्मीर का युवा बदल रहा है। उनका फोकस वॉरिअर है। वहां भी युवा जैसे ही हैं जैसे देश के बाकी हिस्सों में। लेकिन कश्मीरी युवाओं को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है क्योंकि उन्हें टैलेंट दिखाने के साथ लोगों में कश्मीर पार्टी को लेकर जोड़ना पड़ता है। परसेप्शन को भी बदलना पड़ता है।

कश्मीर में जज्बा अलबत हमने नहीं होते। प्रदर्शन और प्रोटेस्ट भी नहीं। वॉरिअर और अन्य माध्यमों से कश्मीर को हमें बेबादिल बॉर्डिंग ही होती है। अब यहां हिस्सों की बुनियाद बढ़ रही है। टूरिस्ट बंद रहे हैं। दैनिक भास्कर में राबाला मुसिक में कश्मीरी युवाओं की जुबानी, परसेप्शन कश्मीर की कश्मीरी...

नेशनल यूथ फेस्टिवल में कश्मीर से अज् जैद भट, जहक अयाज, अशीषा मजदूमि, राबिब राबि, अची अयाज व गैर लखीका।
राबिब राबि-मुसिकियों से लड़ना आदत : हमें आदत है मुसिकियों से लड़ने की। हम जैसे ही जीते हैं जैसे देश के बाकी हिस्सों के लोग। लड़कियों को भी पूरी अयाज है। हम युनिवर्सिटी में जाने वाले लड़के स्टूडेंट्स के साथ गैट-टुगेथर करते हैं। उन्हें बताते हैं कि कैसे आगे बढ़ें।
अशीषा खोली- घाटी में परतद्वय भी जरूरत : यहां सबसे बेहतरीन मौसम होता है पारोखन का। लड़कों के दिखने दिखने को जो फिरे होते हैं। कर्म से लड़े पारोखन जो कभी की खुदबखुद बंध देते हैं। कश्मीर यूनिवर्सिटी में तो कलात जहां से होता है। स्टूडेंट्स नीट परतद्वय दिखार कर रहे हैं।





10